BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

BBAU NEWS LETTER

Quarterly News Letter April-June, 2019

www.bbau.ac.in

हर बालिका को जीवन साथी चुनने का अधिकार



"कांस्टीट्यूशनलिस्म एंड कांस्टीट्यूशनल मोरालिटीः कंटेम्परेरी इश्यूज एंड चैलेंजेज़" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो0 संजय सिंह द्वारा की गई, मुख्य अतिथि प्रो0 एस0 के0 भटनागर (वाईस चांसलर, डॉ राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी), विशिष्ट अतिथि प्रो0 दिलीप उके(वाईस चांसलर, मुम्बई नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, मुम्बई), मुख्य वक्ता प्रो0 रतन सिंह (डायरेक्टर, यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्ट्डिज़, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़) कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सेमिनार का आयोजन विधि विभाग की हेड प्रो0 सुदर्शन वर्मा द्वारा किया गया। डॉ संजीव चड्ढा और डॉ. सूफिया अहमद सेमिनार के आयोजन सचिव थे । इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंकिता श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

इमारतों और पुलों की दरार का पहले ही पता लगाएगा सेंसर



प्रो. बालचंद्र यादव व उनकी टीम ने फाइबर ऑप्टिकल प्रेशर सेंसर डिजाइन किया है। इसकी मद्द से इमारतों और पुलों में पड़ने वाली दरार की दशा का पहले ही पता लगाया जा सकेगा। इससे समय रहते उसमें सुधार किया जा सकता है। प्रो. यादव व उनकी टीम ने यह काम डीएसटी बेसिक रिसर्च, रूसी फाउंडेशन, मास्को, रूस की संयुक्त परियोजना में किया है। इसमें उनके साथ प्रो. एडी पोमोगेलो, मास्को एवं समीक्षा सिकरवार भी शामिल थे।

ग्रीन हाउस गैस पर चर्चा हुई

22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस पर रसायन विज्ञान विभाग में एक अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस का आयोजन किया गया। 'ग्लोबल कांफ्रेंस ऑन द कंट्रोल ऑफ ग्रीन हाउस गैसेस एट द सोर्स बाई फिजिकल एण्ड केमिकल टेक्नालॉजी' विषयक कांफ्रेंस के आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैस के बढ़ते हुए स्तर पर चर्चा और उनके रोकथाम की तकनीकी पर लोगों को जागरूक करना है। संगोष्ठी समन्वयक प्रो. कमान सिंह ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में देश–विदेश के पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञ आये थे।



23वें स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हिंदी विभाग द्वारा विवि के 23वें स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी का विषय "छायावाद के सौ वर्षः साहित्य एवं मातृभूमि" रखा गया। कार्यक्रम विवि के पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के सभागार में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 सदानंद प्रसाद गुप्त (कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान), विशिष्ट अतिथि डॉ राजनारायण शुक्ल (कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान), मुख्य वक्ता प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह (आचार्य, हिंदी विभाग, लखनऊ विवि, लखनऊ), संकाय अध्यक्ष प्रो0 अरविंद कुमार झा, विभागाध्यक्ष डॉ0 सर्वेश सिंह मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 बलजीत कुमार श्रीवास्तव और आयोजन सचिव डॉ0 शिवशंकर यादव रहें। डॉ0 सर्वेश सिंह ने बताया कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहलू पर विचार करने के बाद और राष्ट्र के प्रति अपनी चिंता और इसके मूल स्वरूप के संरक्षण की सोच ने इस संगोष्ठी के विषय को स्वरूप दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रीति राय द्वारा किया गया।

CRVC Challenge Award distribution ceremony held on 7th March in BBAU



Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA) in collaboration with Department of Mass Communication and Journalism (DMCJ), Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU), organised a workshop on Documentary Film Making on March 5th and 6th, 2019 in BBAU Lucknow. Thirty two Students from all over India, from Jammu to Kerala, participated in this workshop. These students are the winners of the 6th edition of Community Radio Video Challenge, a short film making competition organized by CEMCA every year. This year the theme for the competition was "Community Radio for Climate Action". This competition is aimed at increasing the awareness of students about the role of Community Radios in bringing about Social Development.

Every year CRVC Award Ceremony is organized in New Delhi. This is the first time that it is being conducted in Lucknow to benefit the students outside the national capital. The key resource person for the workshop was Mr. Matiur Rahman, a famous Science Film Maker who has won several awards for his innovative story telling. The theme for the workshop was "Tunde Kababi" using which the students showcased the rich cultural heritage of Lucknow.

In the inaugural session, Prof. Govind Ji Pandey, Head, DMCJ, BBAU Lucknow extended a warm welcome to the participants. Dr. Shahid Rasool, Director, CEMCA shared valuable remarks on Documentary Film Making. He told the participants about the significance of "treatment" in a documentary film.

The first prize, bagged by GBPUAT, Pantnagar for a film titled, "Dadaji ka Dabba" comprises of a cash prize of Rs. 50,000/-, a trophy and a citation. The second prize has been won by Central University of Kerala for a film called "Tharangabhaashini" and the film makers got a prize money of Rs. 30,000/-. The third prize has gone to International School Of Business and Media, Pune for the film called "Beginning of the END" and is being awarded a cash prize of Rs. 20,000/-. Apart from these there were 5 Special Recognition awards of Rs. 10,000/- each given to students.

CEMCA in its endeavour to promote "Learning for Sustainable Development" looks at Community Radio as an important medium and agent for Development and continues to support them for improving their sustainability in the country.



Mr. Vikas Yadav a student of DMCJ, BBAU has received a Special Recognition for his film "Aapka Apna Baja", based on the Community Radio "Waqt ki Awaz" Kanpur.

Printed for Private Circulation Only

BBAU
NEWS LETTER
JUNE, 2019

ग्रामीणों को दी स्वच्छता व रोजगार की जानकारी



12 मार्च, 2019 को एक शिविर का आयोजन लखनऊ के औंरावा गाँव में किया गया। अम्बेडकर विश्वविद्यालय की उन्नत भारत टीम द्वारा यह शिविर आयोजित किया गया, जिसमे कुलाधिपति प्रो0 प्रकाश चंद्र बरतुनिया और कुलपति प्रो0 संजय सिंह शामिल हुए।

एनसीसी कैडेट्स द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत सुबह गाँव के लोगों की समस्याओं से संबंधित आंकड़े एकत्रित किये गए और साथ ही लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और स्वच्छता से संबंधित जानकारी भी दी गई। जिसके बाद गाँव के प्राथमिक विद्यालय में एक जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें गाँव के सभी लोग और विद्यार्थी उपस्थित थे।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो0 संजय सिंह ने कहा कि आज गांव के सभी लोगों और बच्चों से मिलने का यह एहसास बेहद अद्भुत है। मैं यहां आकर ऐसा महसूस कर रहा हूँ कि खुद के गाँव में आ गया हूँ। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास से ही मनुष्य का उत्थान है। हमारा विवि भी आस–पास के स्कूलों और गाँवों के विकास में सहायक बने इसी विचार के साथ आज हम सभी पूरी टीम के साथ उपस्थित हैं। भारत वर्ष गाँवो में बसता है और अगर हम देश के विकास की बात करते हैं तो गाँवो का विकास उसमे सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास है कि गाँव की खेती को उन्नत बनाने के लिए विवि के शिक्षकों द्वारा जैविक खेती, अच्छी फसल कैसे उगाई जाए, इसके लिए ज्ञानवर्धक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाए जिससे सभी ग्रामीणों को अच्छी खेती के गुर सिखाए जा सके। हम सभी अपने सामूहिक प्रयास से विकास के सभी आयामों पर कार्य करेंगे और इस गाँव के विकास में भागीदार बनेंगे ऐसी मैं कामना करता हूँ।

पूर्व छात्र संस्थान की नींव होते हैं- प्रो0 संजय सिंह



03 मार्च, 2019 को मानवाधिकार विभाग द्वारा पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 एस0 के0 भटनागर, कुलपति, राममनोहर लोहिया लॉ विवि उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीबीएयू के कुलपति प्रो0 संजय सिंह द्वारा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो0 संजय सिंह ने सभी पूर्व छात्रों तथा विभाग को बधाई देते हुए कहा कि अपने पूर्व संस्थान में आना बड़ा ही भावुक एवं सुखद अनुभव होता है। उन्होंने अपने संस्थान से जुड़े अनुभव भी सभी छात्रों के साथ साझा किये और बताया कि पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की नीव होते हैं, वे चाहे तो अपने संस्थान की प्रगति में बहुत सहयोगी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्टेनफोर्ड विवि, आईआईटी मुम्बई और कानपुर के उदाहरण देते हुए कहा कि ये वे संस्थान हैं जिनके पूर्व छात्रों ने उन्हें ढांचागत विकास में पूर्ण सहयोग दिया। आप जहां जिस पद पर भी कार्यरत हैं, वहां उस रूप में अपने समय एवं सामर्थ्य के अनुसार संस्थान और समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। पूर्व छात्र किसी भी विवि की छवि निर्माण करने वाले स्तंभों में से एक हैं । आप अपने विभाग को मार्गदर्शन दें कि किस प्रकार वर्तमान कार्यशैली के आधार पर पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाए और किन विषयों को जोड़ा जाए ताकि यहां से डिग्री लेने वाला विद्यार्थी व्यवसायिक रूप से प्रशिक्षित होकर निकलें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 एस के भटनागर ने विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो0 संजय सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि आपकी कार्यशैली आपके कुशल नेतृत्व का प्रतीक है। आपके मार्गदर्शन में विवि नई ऊंचाइयों को छुएगा।

देश को सशक्त बनाने के लिए अपनी भाषा होना जरूरी

कुलपति प्रो. संजय सिंह की अध्यक्षता में 'राजकार्य के लिए राजभाषा हिंदी के प्रयोग' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसके मुख्य अतिथि, निदेशक राजभाषा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय सुनिति शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा है। यहां हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व अन्य क्षेत्रीय भाषाएं बोली जाती है। ऐसे में किसी एक भाषा को स्थापित करना आसान नहीं, फिर भी एक ऐसी भाषा जरूरी है, जिसमें काम किया जा सके। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि हम विश्वविद्यालय में प्रशासनिक कार्यों को हिंदी में करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। विश्वविद्यालय हिंदी भाषी क्षेत्र में स्थापित हैं, इसलिए हमारी प्रतिबद्धता और बढ़ जाती है। कार्यशाला में अधिकारियों व शिक्षकों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। हिंदी अधिकारी शिव कुमार त्रिपाठी ने ज्ञापन किया।

साहित्य के बिना राष्ट्र का सृजन संभव नहीं

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की ओर से बुधवार को प्रेस क्लब में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रोफेसर सदानंद प्रसाद गुप्त ने समारोह की अध्यक्षता की।

'साहित्य का सामर्थ्य' परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो0 संजय सिंह ने कहा कि साहित्य का सामर्थ्य देखना है तो राम चरित मानस से प्रेरणा लेनी होगी। इस दौरान मंजू शुक्ला की पुस्तक 'मैं कुंती तो नहीं...' उपन्यास और निबन्ध संग्रह का विमोचन भी किया गया। समारोह में प्रो. कैलाश देवी सिंह, डॉ. उमाशंकर शुक्ल, डॉ. अशोक कुमार दुबे, डॉ. मंजरी शुक्ला, राम नगीना मौर्य सहित अन्य को सम्मानित किया गया।

'साधनों के उपयोग पर ध्यान देने की जरूरत'

14 मार्च 2019 को **"प्रॉब्लम ऑफ सेक्टोरियल स्केयरसिटी एंड चॉइस इन इंडिया"** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एसोसिएशन ऑफ द सोशियो–इकनोमिक डेवलोपमेन्ट स्टडीज, लखनऊ और अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 ए0 के0 सेनगुप्ता(प्रो–वीसी, लखनऊ यूनिवर्सिटी), कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो0 संजय सिंह द्वारा की गई।

प्रो0 एन0 एम0 पी0 वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे पास साधन सीमित है, जनसंख्या अधिक है, मांग और पूर्ति में असंतुलन है, यह स्थिति नियंत्रित करना बेहद मुश्किल है। इसके लिए सही नीतियां निर्धारित होनी चाहिये। प्रो0 अल्पना श्रीवास्तव ने सेमिनार की विषय वस्तु के बारे में सभी को बताया।



प्रो0 संजय सिंह ने कहा कि एक समय था जब भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। मुगल काल तक हमारा वैभव बरकरार रहा मगर जब से हमारे देश मे अंग्रेजों का शासन हुआ हमारे देश से कच्चे सामान का निर्यात बढ़ा, हमारी ही चीज़े बाहर जाने लगी, वहां से उन चीज़ों का इस्तेमाल कर उत्पाद बनाए जाने लगे और फिर उसे हमारे ही देश में बेचा गया। इस तरह से हम पीछे होते गए। मगर अब ज़रूरी है कि सीमित साधनों का कैसे अधिकतम उपयोग किया जा सकता है, इसपर ध्यान दिया जाए। अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया जाए। इसके साथ ही सबसे अहम बात ये है कि हर व्यक्ति उतना ही संपत्ति और साधन संग्रहित करे जितनी आवश्यकता है, तभी सभी तक संतुलित मात्रा में साधन और सेवाएं पहुँच सकती हैं।

'जीवन संजीवनी कार्यशाला' में हार्टअटैक पर चर्चा



04 अप्रैल, 2019 को हृदयाघात से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए "जीवन संजीवनी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। कार्यशाला वि.वि. के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और महाजन बंधु फॉउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम विवि के पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के सभागार में आयोजित किया गया। डॉ. महेंद्र महाजन (एमडीएस, डेंटिस्ट),"सी टू स्काई" मुहिम के तहत मुम्बई से साइकिल चलाकर लखनऊ के अम्बेडकर विश्वविद्यालय में पहुँचकर विद्यार्थियों से हृदय से संबंधित जानकारी प्रदान की और साथ ही अपने साइकिलिंग के सफर के अनुभव को भी सभी से साझा किया। डॉ. महेंद्र महाजन जो कि पेशे से डॉक्टर हैं, बताते हैं कि अगर कुछ करने का जज़्बा हो तो कठिनाइयों से सामना करने का हौसला मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों को फिट रहने के लिए समय से सोने और समय से उठने की बात कही और यह भी बताया कि साइकिलिंग फिट रहने के लिए सबसे उपयुक्त व्यायाम है, इससे हम न सिर्फ स्वस्थ रहते हैं बल्कि पर्यावरण को भी प्रदूषित होने से बचाते हैं। समाज की बेहतरी की सोच मन मे लिए महाजन ब्रदर्स ने रेस अक्रॉस अमेरिका में 2015 में प्रथम स्थान पाकर देश का नाम रोशन किया। इस बार फिर ये "सी टू स्काई" मुहिम के तहत मुम्बई से काठमांडू तक का सफर साईकल से तय करने वाले हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान ये हृदय से संबंधित जरूरी जानकारी लोगो तक पहुचाएंगे।

होली मिलन समारोह



पोस्टर एवं कोलॉज प्रतियोगिता में दिखायी प्रतिभा



11 अप्रैल, 2019 को डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज द्वारा बाबासाहेब की 128वीं जयंती पर पोस्टर एंड कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की थीम **"भारतरत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और भारत मे उनका योगदान"** रखी गई। प्रतियोगिता में विवि के विद्यार्थियों समेत सीएमएस और कृष्णा पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी भाग किया। लगभग 30 प्रतिभागियों ने समाज के लिए बाबासाहेब के योगदान को पोस्टर और कोलाज के माध्यम से दर्शाया। 14 अप्रैल को प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

छात्रों ने सूचना प्रौद्योगिकी के बारे में जाना



08 अप्रैल, 2019 को कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने इंफोसिस लखनऊ द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कंपनी का दौरा किया। 55 विद्यार्थियों और 6 शिक्षकों की टीम कंपनी भ्रमण पर गई। छात्रों ने इन्फोसिस लखनऊ जाकर भविष्य में किसी संगठन में सूचना प्रौद्योगिकी में किस तरह से कार्य का संपादन करना है, इसके गुर सीखें। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पवन चौरसिया ने छात्रों को विभिन्न पहलुओं पर संगठन के बारे में जानकारी दी जिससे छात्र भविष्य में प्लेसमेंट में लाभ प्राप्त कर सकें। डॉ. धीरेंद्र पांडे और डॉ. अल्का ने कार्यक्रम के अंत में कंपनी को सहयोग के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन

27 मई 2019 को अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अभिभावकगण उपस्थित हुए और पठन–पाठन तथा अन्य सुविधाओं पर अपने सुझाव व्यक्त किये। संकाय सदस्यों ने सभी अभिभावकों को उनके बच्चों की प्रगति से अवगत करवाया, जिससे सभी अभिभावक विभाग की शिक्षण प्रणाली एवं क्रियाकलापों से संतुष्ट दिखे।



संगोष्ठी में संकाय अध्यक्ष आचार्या सुनीता मिश्रा, विभागाध्यक्ष डॉ. यू. वी. किरण तथा डॉ. नीतू सिंह, डॉ शालिनी अग्रवाल एवं डॉ. के. शर्मिला उपस्थित रहे।

देश के सभी राज्यों से ज्यादा यू.पी. में टीबी से पीड़ित हैं लोग



27 मार्च 2019 को यूथ इंगेजमेंट वर्कशॉप का आयोजन विवि की एन एस एस इकाई द्वारा किया गया। वर्कशॉप की थीम "इट्स टाइम वी एंड टीबी" रही । कार्यक्रम विवि के पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के सभागार में आयोजित हुआ जिसमें डॉ एमडी इमरान खान (असिस्टेंट डायरेक्टर, ममता एचआईएमसी), डॉ संतोष गुप्ता (स्टेट टीबी ऑफिसर, लखनऊ), डॉ अंशुमाली शर्मा (एनएसएस सेल), प्रो0 बी0 एस0 भदौरिया (डीएसडब्लू), डॉ वी0 के0 सोनकर, डॉ सईद बिलाल हसन, शुब्रा त्रिवेदी (स्टेट लीड– ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फ़ॉर मदर एंड चाइल्ड, यूपी) , डॉ उमेश त्रिपाठी, डॉ ऋषि सक्सेना मंच पर उपस्थित रहें।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ पवन कुमार चौरसिया ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए बताया कि टीबी से सम्बंधित जानकारी विद्यार्थियों को दी गयी। ताकि आगे इस समस्या से निपटने में युवा आगे अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि टीबी की बीमारी को खत्म करना हमारी प्राथमिकता है और इसको लेकर सरकार द्वारा कई प्रयास किये जा रहे हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्व क्षय रोग दिवस 24 मार्च से हमने 1 सप्ताह तक चलने वाला एक जागरूकता अभियान शुरू किया और इसी के तहत हमने यह कार्यशाला आज बीबीएयू में आयोजित की है। इसके तहत हम युवाओं के सहयोग से क्षय रोग को खत्म करने के लिए कार्य करेंगे।

वीसी संग बच्चों ने लिया सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय में चल रही दस दिवसीय सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण शिविर का 1 मई 2019 को समापन हुआ था। इस मौके पर कुलपति प्रो. संजय सिंह ने विद्यार्थियों के साथ आत्मरक्षा के गुर सीखे। साथ ही समापन अवसर पर विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया। वॉरियर्स एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि इस कार्यशाला में आपने जो भी सीखा उसका लगातार अभ्यास करते रहें। उन्होंने युवाओं से योग करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. राजश्री, डॉ. मनोज डडवाल, धीरज मिश्रा आदि उपस्थित थे।

शोध कार्यों में बदलाव की दी जानकारी



22 अप्रैल 2019 को मानवाधिकार विभाग में शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० मोहम्मद मुजम्मिल, पूर्व कुलपति एम०जी०पी०, रोहिलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली एवं भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने अपने विचार व्यक्त किये । प्रो० मुजम्मिल ने पूर्व एवं वर्तमान में शोध कार्य के तरीकों में हुए बदलावों एवं तकनीकी के युग में शोध की सुगमता एवं अपेक्षित परिणामों की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने प्रतिभागियों को अधिक से अधिक अध्ययन करने एवं उनके शोध की सामाजिक उपयोगिता और वर्तमान ज्ञान में शोध कार्य से होने वाली वृद्धि पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला में प्रो. डी.पी. सिंह, प्रो. एस.डी. शर्मा, विभागाध्यक्ष, प्रो. प्रीती सक्सेना, डॉ. राशिदा अतहर, डॉ. शशि कुमार आदि उपस्थित थे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर शहर में सामाजिक संगठनो और स्कूलों की और से हुए कार्यक्रमों में पर्यावरण विशेषज्ञों ने रखें विचार



22 अप्रैल, 2019 को "वर्ल्ड अर्थ डे" के अवसर पर विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, स्कूल ऑफ फिजिकल एंड डिसीजन साइंस द्वारा "द कंट्रोल ऑफ ग्रीन हाउस गैसेस" विषय पर विश्वस्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में बोलते हुए वाटर मैन श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी धरती, मिट्टी और नदियों का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है। बाढ़, कम होते जंगल, सूखा, यह सभी हमारे पर्यावरण पर बुरा प्रभाव डाल रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण हमारे इंजीनियर और वैज्ञानिकों के बीच सामंजस्य की कमी है। हम जब भी कोई निर्माण का कार्य करते हैं, उस वक्त इंजीनियर और वैज्ञानिकों, दोनों की सलाह आवश्यक होती है क्योंकि कोई निर्माण पर्यावरण पर किस प्रकार प्रभाव डालेगा इसकी जानकारी आवश्यक है। मगर जब हम कोई निर्माण करते हैं तब हम इसका ख्याल नहीं रखते हैं, जिसका भुगतान हमें इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं के रूप में करना पड़ता है।

बीबीएयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर बी0 हनुमइया ने कहा कि इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर उन्हें बेहद प्रसन्नता हो रही है। यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है, यह प्रसन्नता का विषय है। आज इस विश्वविद्यालय में आयोजित यह संगोष्ठी समाज के लिए लाभप्रद साबित होगी और मुझे यकीन है कि इस संगोष्ठी के माध्यम से कई महत्वपूर्ण तथ्य निकल कर सामने आएंगे, जिसका आगे पर्यावरण संरक्षण में प्रयोग हो सकेगा ।

अम्बेडकर जयंती समारोह



14 अप्रैल 2019 को विश्वविद्यालय में अम्बेडकर जंयती का समारोह मनाया गया। जिसके मुख्य अतिथि रमेश पतंगे (बोर्ड सदस्य, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) थे। रमेश पतंगे जी ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर इसलिए महान थे क्योंकि उन्होंने अपने कार्यों से काफी लोगों को पुनर्जन्म दिया। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था ज्ञान पैसा कमाने के लिए नहीं बल्कि सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को उठाने लिए प्राप्त किया था।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
(A Central University)
Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226025, Uttar Pradesh, India
Patron : Prof. Sanjay Singh, Vice Chancellor, BBAU
Editorial Advisors : Prof. Gopal Singh, Prof. Govind Ji Pandey, Dr. Mahendra Kr. Padhy, Dr. Rachana Gangwar, Dr. Loknath, Dr. K.S. Bahadur, Dr. A.K. Singh
Issue Editor : Prof. Govind Ji Pandey